संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 35 | वर्ष : नवम | त्रैमासिक | जुलाई, 2015

श्री आर.एस.विर्दी, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल ने निर्माण संगठन का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया

श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक/निर्माण का दिनांक 31.3.2015 को सेवानिवृत्ति के पश्चात श्री रंजित सिंह विर्दी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने महाप्रबंधक/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।

बोगीबिल पुल परियोजना

देश के सबसे बड़े रेल तथा सड़क पुल बोगीबिल का निर्माण कार्य वर्ष 2017 जून तक पूरा हो जाने की आशा की जा सकती है। श्री डी. सी. बोरा, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी / नि / पू.सी. रेल / मालीगांव के अनुसार डिब्रगढ़ के पास ब्रह्मपुत्र पर बन रहे ब्रह्मपुत्र के उत्तरी और दक्षिणी किनारे को जोड़ने वाले बोगीबिल पुल की लंबाई 4940 मीटर है, जिसकी निर्माण लागत करीब 5000 करोड़ रूपए है। इसमें 30 किमी के सड़क नेटवर्क, 74 किमी के रेल नेटवर्क एवं न्यू डिब्रूगढ़ स्टेशन समेत 6 नए स्टेशनों के निर्माण कार्य आदि जुड़े हुए हैं। इस परियोजना में कुल 2100 श्रमिक, वेल्डर तथा इंजीनियर काम कर रहे हैं। इसके सभी स्पानों का कार्य 2017के मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य है।

रेल सप्ताह समारोह 2015

पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन का 60 वां क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह दिनांक 19.4.2015 को रंग भवन मालीगांव में संयुक्त रूप से किया गया। श्री आर.एस.विर्दी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में सराहनीय सेवा के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा निर्माण संगठन के अधिकारियों / कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार, सामूहिक पुरस्कार तथा इंजीनियरी एवं गैर-इंजीनियरी दक्षता शील्ड प्रदान किए गए।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री आर. एस. विर्दी	श्री आर. पी. जिंगर	श्री एस.जे.मंडल	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/नि.

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) की (अप्रैल- जून) तिमाही के लिए आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 29.6.2015 को श्री ए. एस. गरूड़, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-1 की अध्यक्षता में आयोजित की गई। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का शुभारंभ मुख्य राजभाषा अधिकारी (निर्माण) ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने बताया कि पिछली बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर हम अमल कर रहे हैं। तिमाही के दौरान मुख्यालय के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में क्रमशः राजभाषा अधिनियम धारा 3 (3), मूल पत्राचार, हिंदी डिक्टेशन तथा हिंदी टिप्पण एवं नोटिंग में आशा अनुरूप उपलब्धि प्राप्त करली गई है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी में शत-प्रतिशत कामकाज करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुभागों में भी शत-प्रतिशत (100%) काम हिंदी में किया जा रहा है। तत्पश्चात अप्रैल-जून, 2015 तिमाही के लिए प्रतिवेदन "पॉवर प्वाइंट" पर प्रस्तुत करते हुए विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-1 ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि बैठक निश्चित समय-सीमा के अंतराल पर आयोजित की जा रही है तथा यह बैठक तिमाही के दौरान हिंदी के प्रसार-प्रचार के बारे में आने वाली कठिनाईयों और उन्हें दूर करने के उपायों की समीक्षा करने का मौका प्रदान करती है और नियमित रूप से चर्चा के द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी में कार्य करने में एक नई स्फूर्ति आएगी।

राजभाषा संपर्क अधिकारियों की बैठक का आयोजन

राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने एवं कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्माण संगठन के विभिन्न विभागों में राजभाषा संपर्क अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। पिछली तिमाही में संपर्क अधिकारियों के मार्गदशन में संबंधित विभागों में राजभाषा की प्रगति उल्लेखनीय रहा है। इन अधिकारियों की प्रतिपुष्टि जानने के लिए राजभाषा विभाग प्रत्येक महीने इनके साथ बैठक आयोजित करता है। इसी क्रम में दिनांक 8.4.15,12.5.15 एवं 25.6.15 को संपर्क अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी विभागों के नामित अधिकारी उपस्थित हुए।

गूगल इंपुट टूल तथा गूगल ट्रांसलेटर पर कार्यशाला

दिनांक 22.05.2015 को महाप्रबंधक / निर्माण के सम्मेलन कक्ष में कर्मचारियों के लिए गूगल इंपुट टूल्स तथा गूगल ट्रांसलेटर की उपयोगिता तथा कार्यालयीन कार्य में उसकी व्यवहार पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में श्री एस. जे. मंडल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी / नि ने पावर प्वाइंट पर कर्मचारियों को गूगल इंपुट टूल्स तथा गूगल ट्रांसलेटर का प्रशिक्षण दिया। इस कार्यशाला में काफी कर्मचारी उपस्थित हुए।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 18.5.2015 से 22.05.2015 तक एक पांच दिवसीय विभागवार हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालयीन कार्यों में हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। संगठन के कुल 66 कर्मचारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

आतंकवाद विरोधी दिवस का आयोजन

दिनांक 21.05.2015 को आतंकवाद विरोधी दिवस महाप्रबंधक/निर्माण के कार्यालय परिसर में सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों की शपथ ग्रहण समारोह के साथ आयोजित किया गया।

मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का स्थानांतरण

श्री आनंद प्रकाश, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-1 तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का दिनांक 08-6-2015 को उत्तर रेलवे में स्थानांतरण हुआ। उन्होंने दिनांक 07-01-2014 को मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का पदभार ग्रहण किया था। उनके मार्गदर्शन में निर्माण संगठन ने राजभाषा की क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ हासिल की है। उनके कार्यकाल में ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा वर्ष 2013-14 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय योगदान के लिए महाप्रबंधक/ निर्माण को रेल मंत्री राजभाषा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। राजभाषा हिंदी के प्रति उनके इस अवदान हेतु संगठन हमेशा अनका आभारी रहेगा। राजभाषा विभाग/निर्माण उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 124 वां जन्म दिवस

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 124 वें जयंती के अवसर पर दिनांक 16.04.2015 को संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्य भवन के प्रांगन में सम्मिलित होकर बाबा साहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रंगाली बिहु का आयोजन

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्वोत्तर सीमा रेल, ओपन लाइन तथा पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन द्वारा पू.सी. रेल, मालीगांव रेलवे स्टेडियम में रंगालि बिहू हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर बिहु नृत्य के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं असम के विभिन्न समुदायों ने अपने-अपने लोक नृत्य प्रस्तुत किए।

मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का पदस्थापन

श्री आनंद प्रकाश, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-1 तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का दिनांक - 08-6-2015 को उत्तर रेलवे में स्थानांतरण होने पर श्री आर. पी. जिंगर, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-1 ने मुख्यं राजभाषा अधिकारी/ निर्माण का पदभार ग्रहण किया है।

वित्तीय निष्पादन (नई लाइन, आमान परिवर्तन एवं दोहरीकरण)

2014-15 में निष्पादन

- खर्च = 5488.19 करोड़ रूपये

2015-16 के लिए परिव्यय

- मांग-16 रेलवे = 5572.58 करोड़ रूपये
  डीईपी = 386.92 करोड़ रूपये
  कुल = 5959.50 करोड़ रूपये

2014-15 में परिव्यय

- जून, 15 के दौरान खर्च = 325.33करोड़ रूपये
- जून,15 तक संचयी खर्च = 1009 करोड़ रूपये

परिव्यय का खर्च (%) = 16.94 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

स्टेशन/सेक्शन का नाम	कार्य	प्रगति
♦ कटिहार-एपीडीजे-रंगिया	न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी:- मोबाइल ट्रैन रेडिओ संचार	कार्य पूरा करके ओपन लाइन को सौंप दिया गया।
♦ कटिहार	न्यू जलपाईगुड़ी-बारसोई, मालदा टाउन एवं बारसोई- कटिहार:- मोबाइल ट्रैन रेडिओ संचार	कार्य पूरा करके ओपन लाइन को सौंप दिया गया।
♦ लमडिंग	शंकरदेवनगर से लमडिंग तक डेडिकेटेड 33 के.वी. फीडर	कार्य पूरा किया गया।

वर्ष 2015-2016 के लिए लक्ष्य निर्धारित कार्य (परियोजनाएं)

योजनाशीर्ष	सेक्शन का नाम	कुल लंबाई (कि.मी.)
नई लाइन	(i) कुमारघाट-अगरतला	109.00
	(ii) अगरतला-उदयपुर	44.00
	(iii) न्यूल माल जंक्शन-चेंग्राबंधा	62.05
	(iv) न्यू चेंग्राबांधा-न्यू- कूचबिहार	70.00
	कुल नई लाइन	285.05
आमान परिवर्तन	(i) लमडिंग-बदरपुर-सिलचर फिंगर लाइन	
	(अरूणाचल जिरिबाम, करीमगंज-मैशासन बाईपास सहित एवं बराईग्राम-दुल्लबछेरा)	60.00
	(ii) बदरपुर-कुमारघाट	118.00
	(ii) कटाखाल-भैरवी	84.00
	कुल आमान परिवर्तन	262.00
दोहरीकरण	(i) बेलाकोबा-रानीनगर जलपाईगुड़ी	8.12
	(ii) न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड	10.55
	कुल दोहरीकरण	18.67
	कुल (नई लाइन+आमान परिवर्तन+ दोहरीकरण)	565.72

सर्वेक्षण

क्रम सं.	सर्वेक्षण	स्वीकृति वर्ष	राज्यक	प्रगति
1.	सायरंग से बिछुआ (266 किमी)	2013-14	मिजोरम	85%
2.	बेलोनिया से चिटागंग (125 किमी)	2012-13	त्रिपुरा (भारत) चिटागंग (बंग्लादेश)	10%
3.	धुबड़ी से मैंदीपथार (120 किमी)	2014-15	असम-मेघालय	10%
4.	(भालुकपोंग)-टेंगा-टवांग (378 किमी)	2014-15	अरूणाचल प्रदेश	5%
5.	नार्थ लखीमपुर-सिलापथार (249 किमी)	2014-15	अरूणाचल प्रदेश	5%
6.	पासीघाट-तेजु-रूपोइ (227 किमी)	2014-15	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	5%

पिछली तिमाही के कुछ खास खबरें

दिनांक 6 एवं 7 मई, 2015 को श्रीपानी-मुर्कोंगसेलेक (72 कि.मी.) सेक्शन और 8 मई, 2015 को रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना के बालीपाड़ा-भालुकपोंग (34.47 कि.मी.) सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण किया गया और दिनांक 11.05.2015 को प्राधिकार जारी किया गया।

दिनांक 07.05.2015 को मुख्य सचिव, असम सरकार द्वारा स्टैंडिंग मॉनीटरिंग प्रोजेक्ट ग्रुप (एसपीएमजी), असम की पहली बैठक आयोजित की गई, जिसमें महाप्रबंधक/निर्माण शामिल हुए।

वर्ष 2015-16 के दौरान शुभारंभ के लक्ष्यों की समीक्षा हेतु सदस्य यातायात, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 18.05.2015 को रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण के साथ एक बैठक आयोजित की।

दिनांक 16.05.2015 को बोगीबिल पुल परियोजना का आठवां गर्डर लांच किया गया।

मिजोरम राज्य में चालू रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए लेफ्टीनेंट जेनरल निर्भय शर्मा, राज्यपाल, मिजोरम के साथ दिनांक 23.06.2015 को आइजोल में बैठक आयोजित की गई।

अरूणाचल प्रदेश में सर्वेक्षणों को प्रगति और चालू रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए श्री ज्योति प्रसाद राजखोवा, राज्यपाल, अरूणाचल प्रदेश के साथ दिनांक 29.06.2015 को आइजोल में बैठक आयोजित की गई।

दिनांक 22.06.2015 को अगरतला-सबरूम नई लाइन परियोजना के अंतर्गत 188.11 हेक्टेयर सामान्य वन भूमि के लिए स्टेज-।। (फाइनल) अनुमोदन एमओईएफ से प्राप्त कर लिया गया।

दिनांक 22 एवं 23 जून 2015 को लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत न्यूं हाफलांग-सिलचर सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण पूरा किया गया।

दिनांक 02.07.2015 को बोगीबिल पुल परियोजना का 9वां गर्डर लांच किया गया।

राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

पू.सी.रेल, निर्माण संगठन ने राजभाषा की दिशा में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसी संबंध में संगठन के विभिन्न अनुभागों ने राजभाषा की प्रगति को दर्शाने के लिए दिनांक 29.6.2015 को

एक राजभाषा प्रदर्शनी आयोजित की। उक्त प्रदर्शनी को काफी प्रशंसा मिली।

लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नव निर्मित पुल।

पदस्थापन/स्थानांतरण

श्री सौरभ गुप्ता, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर/2 का दिनांक 24.4.2015 को दक्षिण पूर्व मध्य रेल में स्थानांतरण हुआ।

श्री दिलीप सरकार, जेएजी/आईआरएसईई का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/मुख्यालय/मालीगांव के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री एस.के.बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग/1 का दिनांक 1.05.2015 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/एपीडीजे के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के. सिंह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/ एपीडीजे का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग/1 के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री बलदेव सिंह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/मालीगांव का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालीगांव के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री बी.ए. भास्कर, उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालीगांव का दिनांक 1.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला-3 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री महिंदर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/डीबीआरटी का दिनांक 1.05.2015 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/तिनसुकिया के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के.श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/ तिनसुकिया का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/ डीबीआरटी के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री रेनिए इटे, उप मुख्य/इंजीनियर/नि/सिलापथार-3 का दिनांक 1.05.2015 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/।।/एपीडीजे के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री चंद्रीका प्रसाद, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/।।/कटिहार का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-3 के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री पी.के.दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-1 का दिनांक 1.05.2015 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ I/कटिहार के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस.चंदा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ I/कटिहार का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-1 के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री राजेश कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/आइजोल का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/ब्रीजलाइन/मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस.पी.देशमुख, उप मुख्य इंजीनियर/ब्रीजलाइन/मालीगांव का दिनांक 01.05.2015 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/आइजोल के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री भबेन नाथ, उप मुख्य/ यांत्रिक इंजीनियर/नि/ का दिनांक 14.05.2015 को वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/रंगिया के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के. बोरा, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/सिलापथार का दिनांक 14.05.2015 को उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/सिलचर के पद पर स्थानांतरण हुआ।

नव निर्मित भालुकपोंग स्टेशन भवन

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में अप्रैल, मई तथा जून, 2015 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्त भुगतान संबंधी विवरण तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1	श्री पी.प्रसाद शर्मा	व.ट्रेकमैन	उ.मु.इंजी./नि/सिलापथार	अप्रैल,2015
2	श्री मंतु माला	व. ट्रेकमैन	उ.मु.इंजी./नि/सिलापथार	अप्रैल,2015
3	श्री एच.के.बड़ो	काधी/नि	उ. मु. का. अधिकारी /नि	मई,2015
4	श्री अखिल चंद्र बायन	कारपेंटर	उ.मु.इंजी./नि/मालदा	मई,2015
5	श्री असारी दास	मेक/हेल्पर	उ.मु.इंजी./नि/मालीगांव	मई,2015
6	प्रदीप कुमार दत्त	हेल्पर/।	एसएसई (सि.)/नि/ एन01सीबी	मई,2015
7	श्री एम.आर.डे	एए/नि	वि.स.एवं मुलेधि/ नि /एनजेपी	जून, 2015
8	श्री पी.के. बड़ो	पीएस/नि	महाप्रबंधक/निर्माण	जून, 2015
9	श्री पी. चक्रवर्ती	कनिष्ठ लिपिक	उ.मु.इंजी./नि/टी/मालीगांव	जून, 2015
10	श्री प्रमेश दास	व.ट्रेकमैन	उ.मु.इंजी./नि/3/लामडिंग	जून, 2015
11	श्री सुधीर देव राय	ट्रेकमैन	उ.मु.इंजी./नि/मालीगांव	जून, 2015
12	श्री बी.के.मंडल	ट्रेकमैन	उ.मु.इंजी./नि/मालदा	जून, 2015
13	श्री ए.के. प्रमाणिक	एक्स. आपरेटर	मु.सि.एवं दूरसंचार इंजी./नि/लामडिंग	जून,2015
14	श्री गोलोक दास	एसएसई/डब्ल्यू/नि	उ.मु.इंजी./नि/रंगिया	जुलाई,2015

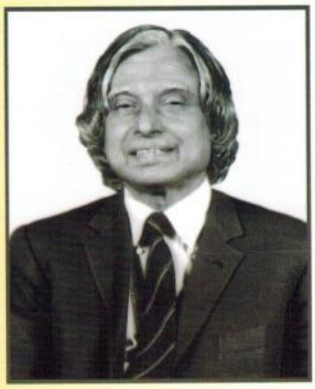

डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

"अंग्रेजी आवश्यक है क्योंकि वर्तमान में विज्ञान के मूल काम अंग्रेजी में हैं. मेरा विश्वास है कि अगले दो दशक में विज्ञान के मूल काम हमारी भाषाओं में आने शुरू हो जायेंगे, तब हम जापानियों की तरह आगे बढ़ सकेंगे।"

जो लोग जिम्मेदार, सरल, ईमानदार एवं मेहनती होते हैं,
उन्हे ईश्वर द्वारा विशेष सम्मान मिलता है।
क्योंकि वे इस धरती पर उसकी श्रेष्ठ रचना हैं।

समय

समय
समय के साथ
नासूर घाव भी भर जाया करता है,
ऊँचे पर्वत भी छिन्न-भिन्न होकर,
उड़ जाया करते है,
नदी के धार में

विशाल पेड़ भी,
तिनकों की तरह,
बह जाया करते है,
जिन्हें अपने दौलत.
और ताकत पर नाज है,
वह भी मौत की आगोस में,
सो जाया करते है।

-मोनी कुमार वर्मा
कनिष्ठ इंजीनियर/नि/सिलचर

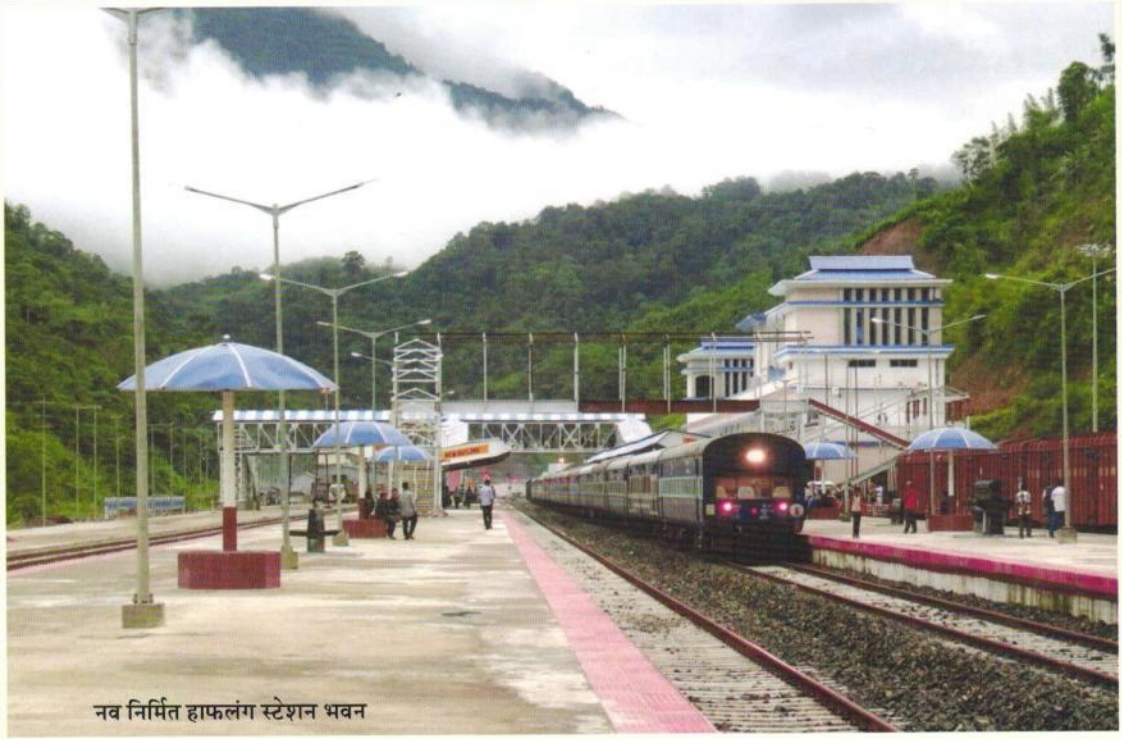

नव निर्मित हाफलंग स्टेशन भवन